

हंस हंस पूछे भेरू मनडे री बातां भेरू जगदम्बा संवाद

लीरिक्स

हंस हंस पूछे भेरू,

दोहा – हाथ जोड़ विनती करू,
सुण जो ध्यान लगाय,
आधे हेले आवजो,
भेगी सुण जो पुकार।

हंस हंस पूछे भेरू रे,
मनडे री बातां भेरू,
मनडे री बातां भेरू,
मनडे री बातां हो भेरू,
मनडे री बातां हो राज।

हा जी कद का थे,
शक्ति भवानी ओ माय,
हा जी कद का थे शक्ति,
भवानी ओ माय।
जद नहीं होता भेरू रे,
सूरज चन्दा भेरू,
सूरज चन्दा भेरू,
सूरज चन्दा ओ भेरू,
सूरज चन्दा ओ राज,
अजी जद की मै,
शक्ति भवानी ओ राज।

हा जी कद का थे,
शक्ति भवानी ओ माय,
हा जी कद का थे शक्ति,
भवानी ओ माय।
जद नहीं होता भेरू रे,
नवलख तारा भेरू,
नवलख तारा भेरू,
नवलख तारा ओ हो,
ओ हा रे भेरू,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट का भी आप हमारे मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



हा जी कद का थे,
शक्ति भवानी ओ माय,
हा जी कद का थे शक्ति,
भवानी ओ माय।
जद नहीं होता भेरू रे,
पवन और पाणी भेरू,
पवन और पाणी भेरू,
पवन और पाणी ओ हो,
ओ हा रे भेरू,
पवन और पाणी ओ राज।
अजी जद की मैं शक्ति,
भवानी ओ राज।bd।

हा जी कद का थे,
शक्ति भवानी ओ माय,
हा जी कद का थे शक्ति,
भवानी ओ माय।
जद नहीं होता भेरू रे,
ब्रह्मा और विष्णु भेरू,
ब्रह्मा और विष्णु भेरू,
ब्रह्मा और विष्णु ओ हो,
ओ हा रे भेरू,
ब्रह्मा और विष्णु हो राज।
अजी जद की मैं शक्ति,
भवानी ओ राज।bd।

धन्नो भगत मैया,
थारो जस गावे भवानी,
थारो जस गावे,
थारो जस गावे ओ हो,
ओ हा रे मैया,
थारो जस गावे ओ राज।
म्हारी अटकी नैया पार,
तो लगावो ओ राज,
म्हारी अटकी नैया,
पार तो लगावो ओ राज।bd।



हँस हँस पूछे भेरू,
मनडे री बातां भेरू,
मनडे री बातां भेरू,
मनडे री बाताँ हो भेरू,
मनडे री बातां हो राज।bd।

स्वर – सुनीता जी स्वामी ।
प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार ।
आकाशवाणी सिंगर ।
9785126052